भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2115
18/12/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

मिशन मौसम के अंतर्गत उपकरणों का संस्थापन

2115. श्री साना सतीश बाबू:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्तमान में संस्थापित किए गए डॉप्लर मौसम रडारों (डीडब्ल्यूआर), रेडियोमीटरों और पवन प्रोफाइलरों की राज्य-वार और प्रकार-वार संख्या कितनी-कितनी है;
(ख) मिशन मौसम के अंतर्गत नए डीडब्ल्यूआर, रेडियोमीटरों और पवन प्रोफाइलरों के लिए स्थान निर्धारित करने हेतु क्या मानदंड अपनाए गए;
(ग) प्रत्येक तटीय राज्य, विशेषकर चक्रवात-प्रवण क्षेत्रों में प्रस्तावित ऐसे संस्थापनों की संख्या कितनी है और क्या आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों के भू-जलवायु जोखिम प्रोफाइल पर उचित रूप से विचार किया गया है;
(घ) इन संस्थापनों को पूरा करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है; और
(ङ) क्या सरकार ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में रडार कवरेज दक्षता का आकलन करने के लिए कोई अंतराल विश्लेषण किया है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क)-(ग) देश भर में कुल 47 डाप्लर मौसम रडार संस्थापित किए गए है और इस समय प्रचालनरत है, इसका विवरण अनुलग्नक-1 में दिया गया है। इस समय आईएमडी ने कोई भी रेडियों मीटर या विंड प्रोफाइलर संस्थापित नहीं किया है। आने वाले वर्षों में निम्नांकित कारकों और मानंदंडों के आधार पर आवश्यकतानुरूप अतिरिक्त डीडब्ल्यूआर संस्थापित किए जाएंगे -

- वे क्षेत्र जो अभी डीडब्ल्यूआर निगरानी के अधीन नहीं है ताकि समुचे देश को खराब मौसम की हर समय निगरानी के लिए रडार द्वारा कवर किया जा सके।
- स्थान की संवेदनशीलता को देखते हुए पहाड़ी क्षेत्रों, तटीय क्षेत्रों और मेट्रो शहरों में अनुपातिक रूप से अधिक रडार संस्थापित करना।
- पुराने रडारों को विस्थापित करना।
- शहरी केंद्रों और भारतीय तटों जैसे अत्यधिक संवेदनशील क्षेत्रों में रडार की प्रचुर मात्रा में उपलब्धता जो कि विशेषरूप से अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और लगातार खराब मौसम के कारण संवेदनशील है।

आंध्र प्रदेश सहित तटीय राज्यों के लिए डीडब्ल्यूआर की संस्थापना को प्राथमिकता देते समय भौगोलिक जोखिम प्रोफाइल पर भी विचार किया जाएगा।

विंड प्रोफाइलरों और रेडियों मीटरों के लिए स्थान को चयन करने का मापदंड निम्नानुसार है:

- बड़े विमान पत्तनों में हवा, बादल और कोहरे के प्रति संवेदनशीलता के अनुरूप बडे विमान पत्तन।
- ऐसे क्षेत्र जो अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और लगातार खराब मौसम के कारण विशेषरूप से संवेदनशील है।

(घ)-(ङ) इस समय संपूर्ण भारत में 47 डीडब्ल्यूआर प्रचालनरत है जिनमें से देश के कुल क्षेत्र का लगभग 87% क्षेत्र आता है जिसमें मिशन मौसम के तहत संस्थापित कुछ रडार शामिल है। आने वाले वर्षों में डीडब्ल्यूआर देश के शेष बचे हुए क्षेत्रों को शामिल करने की आवश्यकता अनुरूप संस्थापित की जाएंगी जिससे अतिरिक्त उपलब्धता और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के मिशन मौसम के अधीन डीडब्ल्यूआर नेटवर्क में पुराने रडारों को विस्थापित किया जा सकेगा।

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	डॉपलर मौसम रडार अवस्थिति
1.	आंध्र प्रदेश	मछलीपट्टनम (एस-बैंड)
2.	आंध्र प्रदेश	विशाखापट्टनम (एस-बैंड)
3.	आंध्र प्रदेश	श्रीहरिकोटा , इसरो (एस-बैंड)
4.	असम	मोहनबाड़ी (एस-बैंड)
5.	बिहार	पटना (एस-बैंड)
6.	छत्तीसगढ	रायपुर
7.	गोवा	गोवा (एस-बैंड)
8.	गुजरात	भुज (एस-बैंड)
9.	हिमाचल प्रदेश	जोट (एक्स-बैंड)
10.	हिमाचल प्रदेश	मुरारी देवी (एक्स-बैंड)
11।	हिमाचल प्रदेश	कुफरी (एक्स-बैंड)
12.	केरल	कोच्चि (एस-बैंड)
13.	केरल	वीएसएससी, इसरो तिरुवनंतपुरम (सी-बैंड)
14.	मध्य प्रदेश	भोपाल (एस-बैंड)
15.	महाराष्ट्र	मुंबई (एस-बैंड)
16.	महाराष्ट्र	नागपुर (एस-बैंड)
17.	महाराष्ट्र	आईआईटीएम सोलापुर (सी-बैंड)
18.	महाराष्ट्र	वेरावली (सी-बैंड)
19.	महाराष्ट्र	मुंबई, जुहू (एक्स-बैंड)
20.	महाराष्ट्र	मुंबई, पनवेल (एक्स-बैंड)
21.	महाराष्ट्र	मुंबई, कल्याण, डोंबिवली (एक्स-बैंड)
22.	महाराष्ट्र	मुंबई, वसई, विरार (एक्स-बैंड)
23.	महाराष्ट्र	महाबलेश्वर (एक्स-बैंड)
24.	मेघालय	चेरापूंजी, इसरो (एस-बैंड)
25.	ओडिशा	गोपालपुर (एस-बैंड)
26.	ओडिशा	पारादीप (एस-बैंड)
27.	पंजाब	पटियाला (एस-बैंड)
28.	राजस्थान	जयपुर (सी-बैंड)
29.	तमिलनाडु	चेन्नई (एस-बैंड)
30.	तमिलनाडु	कराईकल (एस-बैंड)
31.	तमिलनाडु	एनआईओटी चेन्नई (एक्स-बैंड)
32.	तेलंगाना	हैदराबाद (एस-बैंड)
33.	त्रिपुरा	अगरतला (एस-बैंड)
34.	उत्तराखंड	लैंसडाउन (एक्स-बैंड)
35.	उत्तराखंड	मुक्तेश्वर (एक्स-बैंड)
36.	उत्तराखंड	सुरकंडा देवी (एक्स-बैंड)
37.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ (एस-बैंड)
38.	पश्चिम बंगाल	कोलकाता (एस-बैंड)
39.	जम्मू और कश्मीर	बनिहाल टॉप (एक्स-बैंड)
40.	जम्मू और कश्मीर	जम्मू (एक्स -बैंड)
41.	जम्मू और कश्मीर	श्रीनगर (एक्स -बैंड)
42.	दिल्ली	आयानगर (एक्स-बैंड)
43.	दिल्ली	पालम (एस-बैंड)
44.	दिल्ली	मुख्यालय मौसम भवन (सी-बैंड)
45.	लद्दाख	लेह (एक्स-बैंड)
46.	कर्नाटक	मंगलुरु (सी-बैंड)
47.	छत्तीसगढ	रायपुर (सी-बैंड)

*****